५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

1

आज उनका आपके लिए क्या महत्त्व है

2

कुछ वर्ष पहले मिस्टर मार्श को यह पता चला कि उसकी आन्टी मर गई है और उसके नाम वसीयत कर गई है। उस वसीयतनामे में लिखा था : मेरे प्रिय स्टीवन मार्श के लिए मैं अपनी खानदानी बाईबिल और जो कुछ उसमें है, छोड़कर जा रही हूँ, और मेरी बाकी की भूसम्पति भी उसके नाम कर रही हूँ।" सारे कर्जे चुकाने के बाद केवल कुछ सौ डालर की भू - सम्पति बची। वे रुपये भी जल्दी खत्म हो गए, और मिस्टर मार्श के पास केवल वह खानदानी बाईबिल बची, जिसे उन्होंने एक बक्से में डालकर अपने घर के सबसे ऊपर के एक छोटे से हवादार कमरे में रख दिया। जब स्टीवन मार्श ने अपनी नौकरी छोड़ दी तब उन्हें थोड़ा-सा निवृत्ति वेतन मिलता था। वे करीब तीस साल तक गरीबी में रहे।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

3

(दृश्य)

अन्त में, जब वे नब्बे वर्ष के हो गए, तब उन्होंने अपने बेटे के घर में जाने की सोची। जब वे अपना सामान बांध रहे थे, तब उन्हें उनकी आन्टी की बाइबिल मिली और वे उसके पन्ने पलटने लगे। श्री मार्श उन पन्नों मे बैंक के नोटों को देखकर चकित रह गए। जब उन्होंने उनकी गिनती की तो वे पांच हजार ड़ालर निकले, उस समय यह पैसा बहुत ज्यादा हुआ करता था। उस मनुष्य ने अपना सारा जीवन गरीबी में बिता दिया जबकि वह अमीर बन सकता था। खजाना उसकी अंगुलियों में था, परमेश्वर के वचन में। शायद हमारे पास भी अद्‌भुत खजाना हमारी अंगुलियों में हो? हजारों लोग यह विश्वास करते हैं कि यह बाईबिल पुस्तक है। वे इस बात से सहमत हैं कि बाईबिल परमेश्वर के द्वारा प्रेरित है और हमें अनन्त जीवन पाने के लिए साफ शिक्षा देती है। प्रत्येक जाति के लोग, अलग- अलग भाषा बोलने वाले समूह, और प्राचीन मानव जाति ने परमेश्वर के वचनों को एक जीवन परिवर्तन करने वाले बहुमूल्य खजाने के रूप में अपना लिया है और दूसरे लोगों को बहुत-सी शंकाएँ हैं। उनके पास बहुत सारे प्रश्न हैं।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

4

दुनिया की सबसे श्रेष्ठ बिकने वाली पुस्तक, पवित्र बाइबिल, के विषय में आपके क्या विचार हैं?
क्या इस पर विश्वास किया जा सकता है? क्या यह सच्चाई बताती है?
क्या इसमें कोई गलती नहीं है?
कुछ लोग यह कहते हैं कि आप बिना कोई शंका के बाइबिल पर विश्वास कर सकते हैं। जबकि दूसरे यह कहते हैं कि तुम ऐसा नहीं कर सकते। कौन सही है?

5

और इसका उत्तर महत्वपूर्ण है, क्योंकि यदि बाईबिल सच्ची है, तो आपका उस पर विश्वास करना या न करना जीवन और मृत्यु का प्रश्न बन जाता है। यदि बाईबिल सच्ची है तो, आप का सम्पूर्ण अनंत भाग्य इस पर निर्भर है कि आप उस पर विश्वास करते हैं और उसे मानते हैं। आप जैसा बाईबिल पर विश्वास करते हैं वैसा ही आप परमेश्वर पर भी विश्वास करते हैं। केवल एक ही जगह है जहाँ पर आपको परमेश्वर की सही तस्वीर मिलेगी, और यही एक कारण है कि बाईबिल हमें दी गई है।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

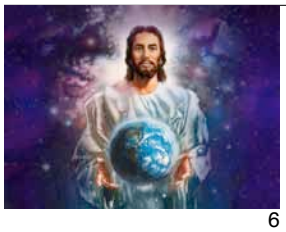

6

यह हमें उस अदृश्य परमेश्वर के बारे में बताती है जिसके बारे में हम उन संदेशों को पढ़कर जानते हैं जो उसने अपने भविष्यवक्ताओं और अपने पुत्र के द्वारा भेजे थे ताकि वह हमें अपने बारे में बता सके।

7

तो आइए हम सब इस महान पुस्तक, बाईबिल, जिसे परमेश्वर का वचन भी कहा गया है पढ़ते हैं, और यह ढूढ़ंते है कि क्या यह हमें यह सबूत देती है कि यह सच्ची है या नहीं, या फिर इस पर विश्वास किया जा सकता है या नहीं।

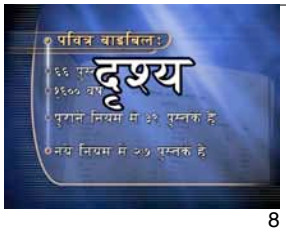

8

(दृश्य)

बाईबिल केवल एक पुस्तक नहीं है। यह अनेक पुस्तकों का सकंलन है। बाईबिल में ६६ पुस्तकें हैं जो कि अलग-अलग समयों पर, अलग-अलग लेखकों के द्वारा १६०० वर्षों में लिखी गई हैं। पुराने नियम में ३९ पुस्तकें हैं और नये नियम में २७ पुस्तकें हैं।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

9

पैतालिस अलग-अलग व्यक्तियों ने इन पुस्तकों को लिखा हैं, परन्तु उनमें एक अद्भुत समानता पाई जाती है जो इस बात को बताती हैं कि इन पुस्तकों का एक ही स्रोत है।

इन पुस्तकों के बहुत-से लेखकों ने आपस में एक-दूसरे को कभी नहीं देखा फिर भी इनमें सम्पूर्ण समानता पायी जाती है।

10

वे विभिन्न काम धन्धों से आए थे। कुछ मछुवारे थे, कुछ चरवाहे, कुछ राजा, कुछ सरकारी नेतागण, कुछ किसान, कुछ उपदेशक, कुछ आम आदमी, एक चिकित्सक-हर प्रकार के काम करने वाले आदमी थे।

11

(दृश्य)

फिर भी उनकी पुस्तकों में पूर्ण एकता और तालमेल था। वास्तव में, आश्चर्यजनक! इस समानता को केवल यही बात समझा सकती है कि परमेश्वर ने हमें यह पुस्तक दी है ताकि वह हमें अपनी इच्छा को बता सके।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

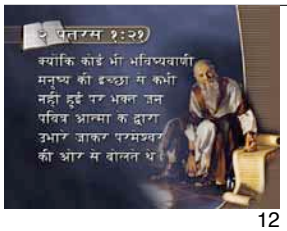

12

(मूलपाठ : २ पतरस १ : २१)

पतरस ने लिखा : "क्योंकि कोई भी भविष्यवाणी मनुष्य की इच्छा से कभी नहीं हुई पर भक्त जन पवित्र आत्मा के द्वारा उभारे जाकर परमेश्वर की ओर से बोलते थे।"

२ पतरस १ : २१

13

(मूलपाठ : २ तीमुथियुस ३ : १६ - १७)

पौलुस प्रेरित ने लिखा : "हर एक पवित्रशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया है, और धर्म की शिक्षा के लिए लाभदायक हैं,

14

और उपदेश, और समझाने, और सुधारने, और धर्म की शिक्षा के लिए भी लाभदायक है

15

ताकि परमेश्वर का जन सिद्ध बने, और हर एक भले काम के लिए तत्पर हो जाए।"

२ तीमुथियुस ३ : १६ - १७

परमेश्वर ने हमसे वार्तालाप करने के लिए इस माध्यम को इसलिए चुना-जो यह था-कि हमसे लिखित रूप से बातें करना-क्योंकि वह माध्यम जहाँ वह हमसे आमने सामने बातें करता था पाप के कारण खत्म हो गया था।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

16

जब परमेश्वर और मनुष्य अदन की वाटिका में एक साथ चलते-फिरते और बातें किया करते थे, तब एक भविष्यवक्ता की कोई आवश्यकता नहीं थी कि वह मनुष्य को परमेश्वर की बातें बताए।

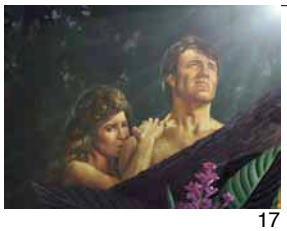
17

जब आदम ने पाप किया, तब वह परमेश्वर से छिप गया, क्योंकि वह अपने किए पर भयभीत और दोषी था।

जब परमेश्वर ने आदम से पूछा कि तू कहाँ था, तब आदम ने उत्तर दिया,

18

(मूलपाठ : उत्पत्ति ३ : १०)

"...मैं तेरा शब्द बारी में सुनकर डर गया.....इसलिए छिप गया।"

उत्पत्ति ३ : १०

19

इसके बाद परमेश्वर मनुष्य से आमने-सामने कभी बात न कर सका। उसने भविष्यवक्ताओं को हमें अपनी इच्छा बताने के लिए चुना, और बाद में उसने अपने बेटे के द्वारा हमें बताया कि वह क्या चाहता है।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

20

(मूलपाठ : आमोस ३ : ७)
"इसी प्रकार से प्रभु यहोवा अपने दास भविष्यवक्ताओं पर अपना मर्म बिना प्रकट किए कुछ भी न करेगा।"
आमोस ३ : ७

21

परमेश्वर ने मूसा को अय्यूब की पुस्तक और पुराने नियम की पहली पाँच पुस्तकें, जो मिलकर "नियम" कहलाती है, लिखने के लिए प्रेरित किया। यह लगभग १५०० बी० सी० का था।

22

इस समय इस्राएल एक महान राष्ट्र बन चुका था जिसकी आबादी सैंकड़ों लोगों की हो गई थी और परमेश्वर को लिखित रूप में अपनी इच्छा को बताने की आवश्यकता हुई।
उस समय से ही चित्रमय लिखावट की अपेक्षा लिखित अक्षरों का अविष्कार हुआ।

23

अब लोग उन दस आज्ञाओं को पढ़ सकते थे जो परमेश्वर ने अपनी अंगुलियों से लिखे थे।
और नियम की पुस्तक भी जो मूसा ने परमेश्वर के लिए लिखी थी।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

24

परन्तु अब भी प्रश्न वही उठता है: कि क्या बाईबिल अब भी एकदम सही और भरोसे के योग्य है, उसी तरह जिस तरह परमेश्वर ने उसे दिया था? सन् १९४७ तक, पुराने नियम की जो प्रथम हस्तलिपियाँ हमारे पास थीं वे लगभग १०० ए॰ डी॰ की प्रतिलिपियाँ थीं।

25

वहाँ मिलने वाली यशायाह की पुस्तक १२५ इसा पूर्व लिखी गई थी। उस समय तक मिलने वाली हस्तलिपियों से एक हजार वर्ष पूर्व उस पुस्तक की नकल बनायी गई थी।

उसमें यशायाह की समस्त पुस्तक थी।

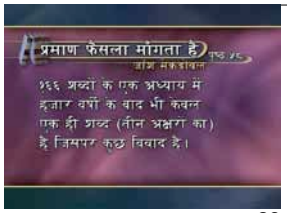

26

सर फ्रेडरिक केनयन, एक सबसे अधिक शिक्षित विशेषज्ञ और पुरातत्व विज्ञान के ब्रिटिश स्कूल के प्रधानाचार्य ने यह कहा कि :

"१६६ शब्दों के एक अध्याय में हजार सालों के समाचार भेजने के बाद केवल एक ही शब्द (तीन अक्षरों का) है जो एक प्रश्न है।

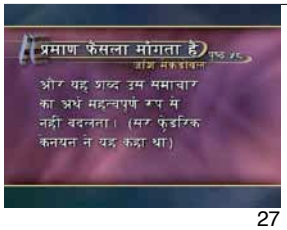

27

और यह शब्द उस समाचार का अर्थ महत्वपूर्ण रूप से नहीं बदलता।"

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

28

सर फ्रेडरिक केनयन इस प्रकार कहते है:

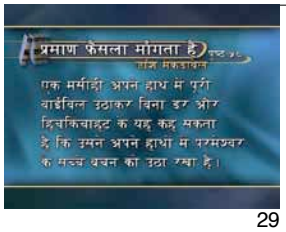

29

"एक ईसाई अपने हाथ में पूरी बाइबिल उठाकर बिना डर और हिचकिचाहट के यह कह सकता है कि उसने अपने हाथों में परमेश्वर के सच्चे वचन को उठा रखा है,

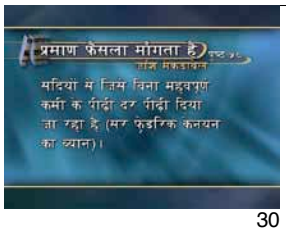

30

सदियों से जिसे बिना महवपूर्ण कमी के पीढ़ी दर पीढ़ी दिया जा रहा है।"

31

सर केनयन ने यह बात अपना पूरा जीवन इस सबूत की जांच पड़ताल करने के बाद कि किस प्रकार बाइबिल का
प्रसारण किया गया था और इस प्रसारण से इस पुस्तक के संदेश में क्या प्रभाव पड़ा था, कही थी।

32

सदियों पहले बाइबिल की गलतियाँ निकालने वालों को बहुत से आधार मिल गए थे जिनसे बाइबिल पर शंका की जा सके, परन्तु इनमें से कितनी गलतियाँ पुरातत्ववेत्ता के फावड़े ने शांत कर दिया।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

33

उन्नीसवीं सदी तक, केवल बाइबिल उसके बारे में जो कहती थी उसे छोड़कर प्राचीन भूतकाल के विषय में थोड़ा ही पता था।

34

प्राचीन इतिहास मिस्र की उन अद्भूत चित्रमय लिखावट के पीछे हमेशा के लिए बन्द लग रहा था। क्योंकि मिस्र देश का, या पूरी दुनिया का कोई भी, उसको नहीं पढ़ सका।

35

सन् १७९८, नेपोलियन अपनी सेना को मिस्र देश में छान-बीन करने के लिए ले गया। अपने ३८,००० सैनिकों के साथ, नेपोलियन सौ चित्रकारों, भाषा के ज्ञानियों, और वैज्ञानिकों को उस गुप्त भूमि के इतिहास को और अधिक समझने में मदद के लिए ले गया।

36

प्रत्येक जगह उन्होंने भूतकाल के चिन्हों को देखा -- ऐसे लेख मिले जिन्हें पढ़ा न जा सका, तथा सजे हुए स्तम्भ और मंदिर की दीवारें। नेपोलियन और उसके विद्वान इस सोच में पड़ गए कि इन चित्रमय लिखावट में क्या गुप्त संदेश था।

37

एक वर्ष बाद, १७९९ में, उस समय की सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण खोज हुई।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

38

नेपोलियन के एक सैनिक ने एक पत्थर को खोदकर निकाला जो रोसेटा पत्थर के नाम से जाना गया -- १२२ सेंटीमीटर लम्बा और ७६ सेंटीमीटर चौड़ा (चार फुट लम्बा और ढाई फुट चौड़ा) एक काला पत्थर जो सदियों पुरानी चित्रमय लिखावट के रहस्य को खोल सकता था।

39

वह रोसेटा पत्थर अब बिट्रिश संग्रहालय में रखा हुआ है।

40

यह पत्थर की शिला, जो रोसेटा शहर की नदी के मुहाने पर पाई गई थी, उस पर प्राचीन राजाज्ञा की तीन अलग-अलग हस्तलिपियाँ थी :

41

चित्रमय लिखावट (चित्रों द्वारा लिखी गई लिखावट), मिस्री, और यूनानी भाषा में। वास्तव में, विद्वान यूनानी मूलपाठ का आसानी से अनुवाद कर सकते थे, परन्तु चित्रमय लिखावट कुछ और थी।

42

और बीस वर्ष बाद, १८२२ में, जान फ्रानकोए शैम्पोलियन नामक फ्रांस के एक बुद्धिमान नवयुवक ने इस दुनिया को रोसेटा पत्थर पर की गई चित्रमय लिखावट को पढ़कर चकित कर दिया।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

43

इस प्रकार मिश्र के प्राचीन भूतकाल के बहुत बड़े खजाने को दुनिया के विद्वानों के समक्ष खोला गया।

44

परन्तु सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि, मिश्र देश के प्राचीन भूले हुए इतिहास ने पवित्रशास्त्र की सच्चाई को पक्का कर दिया।

वह पत्थर चिल्ला कर कह रहे थे कि जो बाइबिल ने कहा था वह सच है।

45

जैसे-जैसे पुरातत्ववेत्ता खोदते गए, उन्हें बाइबिल के इतिहास की प्राचीन सभ्यता के ऐतिहासिक रिकार्ड के साथ पक्के सबूत मिलते गए।

46

टेलमारदुक की आधुनिक खोज ने, पुरातत्व की दुनिया में जान डाल दी।

इस शहर को सीरिया में एबला के नाम से जाना जाता था-और कभी यह अमीर और लगभग ३००,००० लोगों का सभ्य समाज था।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

47

' मृत सागर' के पवित्रशास्त्र (स्क्रोल) की खोज के बाद नहीं अपितु पहले से ही इस विषय में अध्ययन करने वाले विद्वान इस खोज के लिए उत्सुक थे! परन्तु यह बाइबिल का अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए और अधिक उत्सुकता का विषय है।

48

शहर के महल के निकट एक प्राचीन पाठशाला में, खोदकर लिखी गई १४,००० तख्तियाँ और उनके टूटे हुए अंश पाए गए, जो कम से कम २३०० ईसा पूर्व पुराने थे।

दुनिया की सबसे प्राचीन खोज की गई सरकार के अभिलेख रक्षालय ने एक सदी से भी अधिक एबला राज्य के सरकारी रिकार्ड रखे हैं।

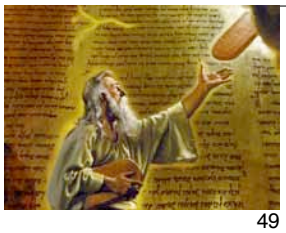
49

कुछ ऐतिहासिक लेखकों ने यह प्रश्न किया कि क्या ये इब्रानी लोग मूसा के समय तक लिखने की कला का विकास कर पाए थे। उन्नीसवीं सदी तक, एक भी ऐतिहासिक सबूत इस बात का प्रमाण नहीं दे सका।

50

तथापि, एबला की ये तख्तियाँ और दूसरी खोजें मूसा के जीवनकाल से बहुत पहले की हैं। पुरातत्ववेत्ताओं को पुरे-पुरे पुस्तकालय मिले हैं जो मूसा से सदियों पहले के हैं।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

51

एबला की तख्तियों में सृष्टि और जल -प्रलय के बारे में लिखा है।

उसमें ऐसे नाम और जगह भी दिये गये हैं जो बाइबिल के नामों से मिलते थे, जैसे इसाव, इब्राहिम, इस्राएल, सीनै, और यरूशलेम।

52

परन्तु असली आश्चर्यजनक बात यह है कि उनमें उन दो "पापी शहरों" -- सदोम और अमोरा का नाम है। इन तख्तियों की खोज के पूर्व इन शहरों का एक भी ऐतिहासिक सन्दर्भ बाईबिल के अतिरिक्त और कहीं नहीं मिला था। इसलिए ये पहले केवल काल्पनिक जगहें ही मानी जाती थीं।

53

बहुत-सी पुस्तकों को दुबारा लिखा जाना चाहिए, क्योंकि ये खोजें उस समय के बहुत से भौगोलिक नामों का प्रमाण देती हैं।

54

कुछ लेखकों को यह मानना पड़ेगा कि उत्पत्ति की पुस्तक केवल प्राचीन चरवाहों के गानों और प्रचलित कथाओं से भी अधिक है। एबला पर और दूसरी जगहों पर की गई खोज ने बाईबिल की सच्चाई को पक्का किया है।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

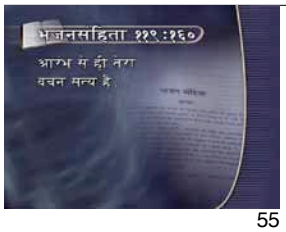

55

(मूलपाठ : भजनसंहिता ११९ : १६०)

दाऊद ने कहा, "आरंभ से ही तेरा वचन सत्य है .....।
"

भजनसंहिता ११९ : १६०

56

(मूलपाठ : यशायाह ४५ : १९)

यशायाह ४५ : १९ में, परमेश्वर कहता हूँ, ".....मैं, यहोवा सत्य ही कहता हूँ, मै उचित बातें ही बताता आया हूँ।"

57

वे कहते हैं कि मृतक कहानियाँ नहीं बताते, परन्तु यह सच नहीं है।

काल्पनिक कथाओं से अधिक रोमाचंकारी कहानियाँ हैं। प्राचीन मृत संस्कृतियाँ धूल भरी कब्रों से बोल रही हैं और परमेश्वर के वचन की यर्थाथता और विश्वस्तता को निश्चित कर रही हैं।

58

उन्नीसवीं सदी तक, कुछ विद्वान ये विश्वास करते थे कि बाबुल को रानी सेमीरामिस ने बनाया था।

परन्तु बाइबिल में दानिय्येल ने यह लिखा है कि राजा नबूकदनेस्सर ने ऐसा कहा,

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

59

(मूलपाठ : दानिय्येल ४ : ३०)

"...क्या यह बड़ा बाबुल नहीं है, जिसे मैं ही ने बसाया है? "

दानिय्येल ४ : ३०

कौन सही था?

60

१८९९ में रार्बट कोल्देवे ने बाबुल की पुरानी नष्ट हो गई चीजों को खोदना आरंभ किया और भट्टी में पकी हुई हजारों ईंटों को निकाला। उन सब पर राजा नबूकदनेस्सर की मुहर थी। वे सभी शहर और मंदिरों की दीवारों से ली गई थीं!

61

एक चित्रदार तख्ती भी मिली जो नबूकदनेस्सर की वीरता के कार्यों का वर्णन करती है।

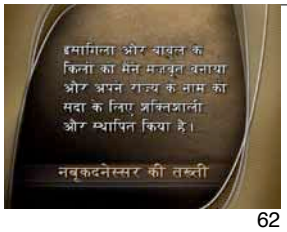

62

उस पर, राजा ने कहा, "इसागिला और बाबुल के किलों को मैंने मजबूत बनाया और अपने राज्य के नाम को सदा के लिए शक्तिशाली और स्थापित किया है।"

63

(मूलपाठ : दानिय्येल ४ : ३०)

बाइबिल यह बताती है कि घमंडी नबूकदनेस्सर ने "कहा, "क्या यह बड़ा बाबुल नहीं है,

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

64

जिसे मैंने ही अपने बल और सामर्थ से राजनिवास होने को और अपने प्रताप की बड़ाई के लिए बसाया है?" दानिय्येल ४ : ३०

65

ईस्ट इण्डिया हाऊस शिलालेख पर, जो अब लंदन में है, नबूकदनेस्सर का विशाल भवन निर्माण योजना का वर्णन बाबुल की लिखाई में छः कालमों में किया गया है। खुदाई करने के कारण पुनः यह स्पष्ट हो जाता है कि परमेश्वर का वचन सत्य है।

66

एक और रहस्य बेलशस्सर का बाबुल के शासक के रूप में इतिहास में न होना था। बाईबिल बेलशस्सर को बाबुल का शासक बताती है जिसने भोजघर की दीवार पर लिखावट को देखा। क्या वह केवल दानिय्येल के मस्तिष्क की उपज था? बिल्कुल नहीं।

67

महान नबूकदनेस्सर के एक उतराधिकारी नबोनिडस ने उन दस वर्षो के लिये अपने बेटे बेलशस्सर को राजगद्दी सौंप दी थी जब वह स्वयं अरब में तीमा नामक स्थान में था।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

68

पुरातत्ववेत्ता द्वारा खोजी गई तख्तियाँ यह बताती हैं कि वास्तव में राजकुमार के रूप में बेलशस्सर को राज्य सौंपा गया था। जो लिखा गया था वह यह है :

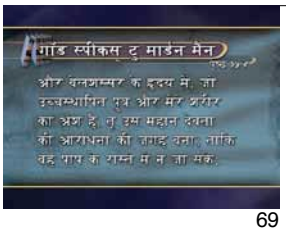

69

"और बेलशस्सर के हृदय में, जो उच्चस्थापित पुत्र और मेरे शरीर का अंश है, तू उस महान देवता की आराधना की जगह बना; ताकि वह पाप के रास्ते में न जा सके;

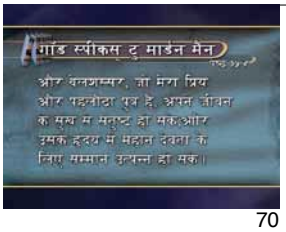

70

और बेलशस्सर, जो मेरा प्रिय और पहलौठा पुत्र है, अपने जीवन के सुख से संतुष्ट हो सके; और उसके हृदय में महान देवता के लिए सम्मान उत्पन्न हो सके, ।"

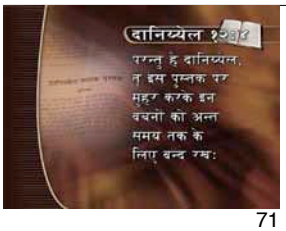

71

(मूलपाठ : दानिय्येल १२ : ४)
क्या यह दिलचस्प बात नहीं कि हम दानिय्येल के अन्तिम अध्याय में पढ़ते हैं: "परन्तु हे दानिय्येल, तू इस पुस्तक पर मुहर करके इन वचनों को अन्त समय तक के लिए बन्द रख:

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

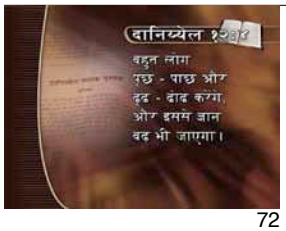

72

बहुत लोग पूछ- पाछ और ढूंढ -ढांढ करेंगे, और इससे ज्ञान बढ़ भी जाएगा।"

दानिय्येल १२ : ४

ज्ञान केवल वैज्ञानिक दुनिया में ही नहीं बढ़ जाएगा। ज्ञान परमेश्वर के वचन की यथार्थता के रूप में भी बढ़ जाएगा।

73

ईंटें और सिलैण्डर्स, तख्तियाँ और हस्तलिपियाँ- जो पुरातत्ववेत्ताओं के द्वारा खोदी गई-वे यह प्रमाणित करती हैं कि जो बाइबिल कहती है वह सच है!

74

बाईबिल परमेश्वर के द्वारा प्रेरित वचन है इस बात का एक ठोस प्रमाण यह है कि वह भविष्य की बातों को सही रूप में बताने की क्षमता रखती है।

75

(मूलपाठ : यशायाह ४६ : ९ - १०)

"मैं ही परमेश्वर हूँ और मेरे तुल्य कोई भी नहीं है,

76

मैं तो अन्त की बात आदि से और प्राचीनकाल से उस बात को बताता आया हूँ जो अब तक नहीं हुई।"

यशायाह ४६ : ९, १०

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

77

जी हाँ, हमें भविष्य की झलक दिखाने के लिए परमेश्वर समय के परदे को खोलता है और संसार को यह प्रदर्शित करता है कि बाइबिल केवल एक पुस्तक नहीं है।

यह उसकी पुस्तक है।

78

बाबुल के अपनी शक्ति और महिमा की ऊचाँई तक पहुँचने से पहले ही परमेश्वर की पुस्तक ने इसके पतन की भविष्यवाणी की थी:

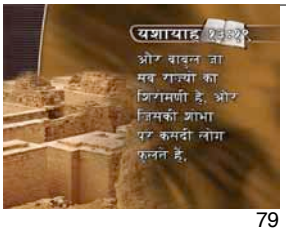

79

(मूलपाठ : यशायाह १३ : १९)

"और बाबुल जो सब राज्यों का शिरोमणी है, और जिसकी शोभा पर कसदी लोग फूलते हैं,

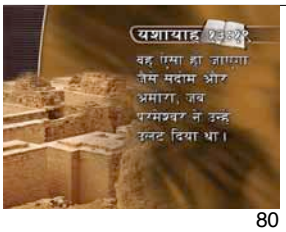

80

वह ऐसा हो जाएगा जैसे सदोम और अमोरा, जब परमेश्वर ने उन्हें उलट दिया था।"

यशायाह १३ : १९

यहाँ तक कि बाइबिल ने उस महान शक्ति की भी भविष्यवाणी की थी जो कि इस महान राज्य को उलट देगी।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

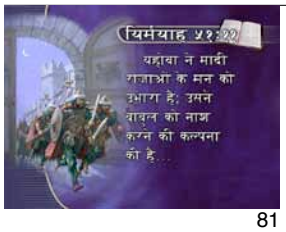

81

(मूलपाठ : यिर्मयाह ५१ : ११)

"यहोवा ने मादी राजाओं के मन को उभारा है; उसने बाबुल को नाश करने की कल्पना की है।"

यिर्मयाह ५१ : ११ ।

82

उसके जन्म के १५० वर्ष पूर्व उस आदमी के नाम की भविष्यवाणी हो गई थी जो बाबुल के विरुद्ध सेनाओं की अगुवाई करेगा, और वह किस प्रकार उसे ऐसा ही करेगा।

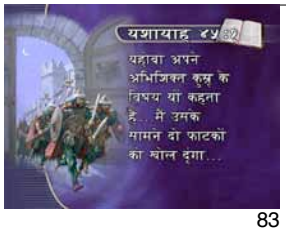

83

(मूलपाठः यशायाह ४५:१)

"यहोवा अपने अभिशिक्त कुस्रू के विषय यों कहता है ...मैं उसके सामने दो फाटकों को खोल दूंगा ..."

यशायाह ४५:१

क्या बाईबिल की भविष्यवाणियाँ पूरी हुई थीं? एक -एक शब्द पूरा हुआ।

84

ब्रिटिश संग्रहालय के फारस हॉल में कुस्रु का सिलैण्डर रखा है जो बाबुल की खुदाई में पाया गया था। इस मिटट्ी के सिलैण्डर पर कुस्रू ने अपने विषय में कहा है। उसका वर्णन एकदम सही है!

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

85

बाइबिल केवल बाबुल के नष्ट होने की भविष्यवाणी नहीं करती, परन्तु वह आगे यह कहती है:

86

(मूलपाठः यिर्मयाह ५१:३७)
"और बाबुल खण्डहर होगा..."
यिर्मयाह ५१ : ३७

87

(मूलपाठः यशायाह १३:२० -२१)
यशायाह ने लिखा:
"वह फिर कभी न बसेगा..."

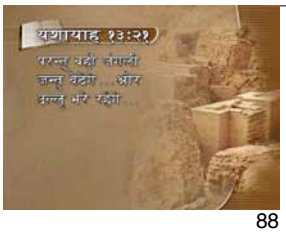

88

"परन्तु वहाँ जंगली जन्तु बैठेंगे .....और उल्लू भरे रहेंगे....."
यशायाह १३ : २०, २१

89

केवल परमेश्वर ही भविष्य को देख सकता था और उस महान बाबुल के भाग्य की एकदम सही रूप में भविष्यवाणी कर सकता था।
खोजकर्त्ता आसटेन एच॰ लेयार्ड प्राचीन बाबुल की जगह का वर्णन करता है:

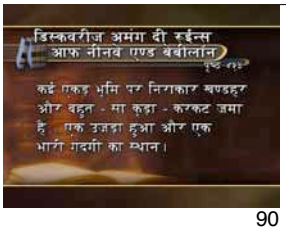

90

कई एकड़ भूमि पर निराकार खण्डहर और बहुत -सा कूड़ा - करकट जमा है ...एक उजड़ा हुआ और एक भारी गंदगी का स्थान।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

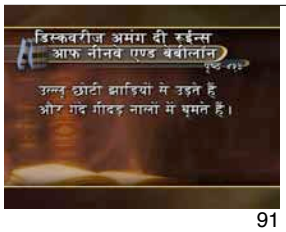

91

उल्लू छोटी झाड़ियों से उड़ते हैं और गंदे गीदड़ नालों में घूमते हैं।

-- डिस्कवरीज अमंग दी रूईन्स आफ नीनवे एण्ड बेबीलॉन, पृष्ठ ४१३

92

अति प्राचीन बाबुल की महिमा का कुछ भी शेष नहीं बचा परन्तु रास्ते के किनारे एक साइन बोर्ड पर लिखा हुआ केवल उसका नाम लिखा है।

प्राचीन बाबुल के अवशेषों के ऊपर विशाल बिखरा हुआ कूड़ा बाइबिल की प्रेरणा और उसके पूर्ण होने की गवाही देता है।

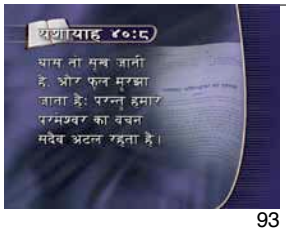

93

(मूलपाठ : यशायाह ४० : ८)

हम इस भविष्यवक्ता से सहमत हो सकते है: "घास तो सूख जाती है, और फूल मुरझा जाता है: परन्तु हमारे परमेश्वर का वचन सदैव अटल रहता है।"

यशायाह ४० : ८

94

और मित्र, यदि परमेश्वर प्राचीन राज्यों के भविष्य का शताब्दियों पहले इतनी सही भविष्यवाणी कर सकता है तो हमारे भविष्य को बताने की उसकी क्षमता और बुद्धि पर क्या हम संदेह कर सकते हैं? बिल्कुल नहीं।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

95

वास्तव में, बाईबिल की भविष्यवाणी हमें मौका देती है कि हम परमेश्वर की आँखों से भविष्य को देख सकें और हमारे जीवन की समस्याओं का उसके पास क्या हल है इसकी एक झलक पायें।

96

बाईबिल केवल भरोसे योग्य इतिहास, सही वैज्ञानिक सच्चाई, और पूरी हुई भविष्यवाणियों से बढ़कर है। यदि यह ऐसी न होती तो मनुष्य इसके साथ क्या करता, इससे कोई अन्तर नहीं पड़ता।

97

इस पुस्तक की विशेषता यह है कि उन्नीसवीं शताब्दी से पूर्व यरूशलेम से बाहर एक असमतल पहाड़ी पर जो हुआ था उसका लेखा-जोखा इसमें है।
और हम उस पर कैसा विश्वास करते हैं इससे बहुत अन्तर पड़ता है।

98

या तो जीवित परमेश्वर का पुत्र क्रूस पर मरा या नहीं मरा।
या तो वह, वह था जो बाइबिल कहती है या वह नहीं था!
क्या कलवरी कल्पना थी या सच्चाई थी?
इस अन्तर को हमें जानने की आवश्यकता है!

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

99

कदाचित सब से प्रमुख प्रमाण यह है कि इस पुस्तक में जीवन को बदलने की शक्ति है।

और यह शक्ति एक व्यक्ति -- यीशु मसीह -- में है।

यीशु ने कहा,

100

(मूलपाठ : यूहन्ना ५ : ३९)

"तुम पवित्र शास्त्र में ढूंढ़ते हो, क्योंकि समझते हो कि उस में अनन्त जीवन तुम्हें मिलता है, और यह वही है, जो मेरी गवाही देता है।" यूहन्ना ५ : ३९

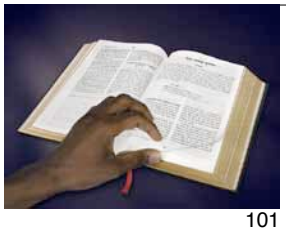
101

यीशु पुराने नियम के विषय में कह रहे थे, क्योंकि नया नियम अभी तक नहीं लिखा गया था।

और जब आप पुराने नियम के पन्नों को उलट कर देखेंगे, तब आप पायेंगे कि वे मसीह के आने की भविष्यवाणी कहते हैं, और उसके प्रेम और उद्धार के उद्देश्य को बताते हैं।

102

(मूलपाठ : लूका २४ : ४४)

यीशु ने शिष्यों से कहा :

"----ये मेरी वे बातें हैं, जो मैंने तुम्हारे साथ रहते हुए, तुम से कहीं थीं, कि सब पूरी हैं

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

103

कि जितनी बातें मूसा की व्यवस्था और भविष्यवक्ताओं और भजनों की पुस्तकों में मेरे विषय में लिखी हैं,"
लूका २४ : ४४

104

पुराना नियम मसीह की भविष्यवाणी करता है, और नया नियम उसके जीवन की कहानी बताता है।
इस प्रकार आप देखते हैं कि संपूर्ण बाइबिल यीशु मसीह को प्रकाशित करती है, जो इस राजद्रोह में घिरे हुए को ग्रह पर यह दर्शाने आया था कि उसका पिता वास्तव में कैसा था।

105

इसलिए बाइबिल को "परमेश्वर का जीवित वचन" कहते हैं।
यह अपने साथ एक आश्चर्यजनक शक्ति रखती है। एक ऐसी शक्ति जो जीवितों को बदलती है, मनुष्य के चरित्र को बदल देती है, कमजोर को शक्ति देती है, दुःखी को साहस और मरने वाले को आशा देती है।
पूरे इतिहास में बार -बार यह प्रमाणित किया गया है कि बाइबिल की शक्ति के द्वारा क्रोधी लोग भी शांति-प्रिय लोग में बदल गए।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

106

शारीरिक लालसापूर्ण और अनैतिक लोग भी शुद्ध और साफ बन गए हैं।

शराबी अपने पीने की आदत से छुटकारा पा गए, चोर अपनी चोरी से और ठग अपने ठगने से।

आप को आज यह जानने के लिए दूर जाना नहीं पड़ेगा कि बाइबिल की शक्ति के द्वारा जेल में पड़े क्रूर हत्यारे आनन्दित मसीहियों में बदल गए हैं।

107

आप को दूर देखने की आवश्यकता नहीं है यह जानने के लिए कि जिन विवाहों का सीधा तलाक ही होना था, वे बाईबिल की शक्ति के द्वारा बचाए गए और नवीन प्रेम से भर दिए गए। कोई भी व्यक्ति प्रतिदिन बाईबिल को ईमानदारी से पढ़ने के बाद बिना बदले नहीं रह सकता। और मेरे मित्र, यदि आप प्रतिदिन बाईबिल को पढ़ने में समय व्यतीत करेंगे, तो यह आपको भी बदल देगी।

108

यीशु ने लोगों को बदलने में अपना समय लगाया। यही मसीही धर्म का हृदय है। और यह बाईबिल का दिल है, उसकी शक्ति का रहस्य है।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

109

(मूलपाठ : यूहन्ना ८ : ३२)

यीशु मनुष्यों को बदलने वाली इस शक्ति को जानता था : "और तुम सत्य को जानोगे, और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा।"

यूहन्ना ८ : ३२

110

यह सत्य है जो मनुष्य को स्वतंत्र करता है - उसे बदल देता है। यह सत्य है जो एक शराबी को एक अच्छा और प्यारा पिता बना देता है। यह सत्य है जो नशीली दवाईयाँ लेने वाले को स्वतंत्र कर देता है। आज संसार में इतनी अधिक धोखा - धड़ी हैं कि हमें पूछना पड़ जाता है कि "सच्चाई क्या है?"

111

(मूलपाठः यूहन्ना १७:१७)

यीशु ने उत्तर दिया : "तेरा वचन सत्य है।" यूहन्ना १७:१७

बाइबिल, परमेश्वर का वचन, सत्य है!

उस वचन की शक्ति स्त्रियों और पुरुषों के हृदयों को बदल सकती है।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

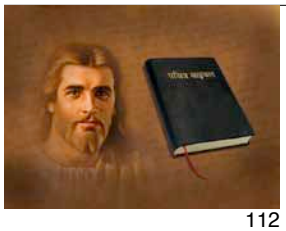
112

परन्तु परमेश्वर केवल उन लोगों को ही बदल सकता है जो इस पुस्तक के यीशु मसीह को ग्रहण करने के इच्छुक हैं।

हजारों लोगों का जीवन बाइबिल का अध्ययन करने से बदल गया है।

इस संसार में इस शक्ति से बढ़ कर कोई अन्य शक्ति नहीं है जो दिलों को छू सके और जीवनों को बदल सके।

आप देखिए, मित्र, हम इस पुस्तक का क्या करते हैं इससे हमारे जीवन में अंतर पड़ता है। यह केवल गिरजाघर में ले जाने वाली या घर में सजाने वाली पुस्तक नहीं है परन्तु यह उस से भी बढ़ कर है।

यह सहायतापूर्ण सूचना या उपयोगी सलाह से बढ़कर है।

यह ऐसी है मानो परमेश्वर हमारे हृदयों से बोल रहा हो। यह उस का इस पृथ्वी पर अपने बच्चों के लिए प्रेम पत्र है। इसमें जीने का रहस्य, अनन्त खुशियाँ और मस्तिष्क की शांति है।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

113

(दृश्य)

आइए, मैं आपको परमेश्वर के वचन की शक्ति से बदलने वाले जीवन की कहानी बताता हूँ। बहुत वर्ष पहले, एक बाउंटी नामक जहाज था

१७९० में, कप्तान ब्लाई और उसके साथी ब्रेड फ्रूट वृक्ष के पौधों को लाने के लिये इंग्लैण्ड से रवाना हुए ताकि उन्हें वेस्टइन्डीज में लगाया जा सके क्योंकि गुलामों के लिए यह सस्ता भोजन था।

114

(दृश्य)

ब्लाई की क्रूर कप्तानी और कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार के कारण वहाँ सैन्य विद्रोह हो गया। फ्लेचर क्रीश्चियन ने, जो उस सैन्य विद्रोह का प्रधान था, ब्लाई और उसके प्रति विस्वस्त १८ जनों को एक छोटी -सी नाव में भेज दिया। कप्तान ब्लाई की निपुणता के कारण उन्होने वापिस इंग्लैण्ड पहुंचने का रास्ता ढूंढ़ लिया।

115

(दृश्य)

बाउंटी पर सवार समूह ने अच्छी तरह यात्रा नहीं की, परन्तु अंत में वे निर्जन पिटकर्न टापू पर पहुँचे।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

116

(दृश्य)

उन्होंने बाउन्टी को जला दिया ताकि कोई उन्हें पहचान न सके। जब वे ताहिटी में थे, फ्लेचर ने बहुत -से स्त्रियों, बच्चों और कुछ देशी लोगों की मंडली का गठन किया। जब उन्होंने शराब बनाना सीखा तब उनकी कठिनाईयाँ और बढ़ी। हत्याएँ तथा अपराध होने लगे। कुछ दिनों बाद केवल एक पुरूष, जॉन आडम्स, तथा कुछ स्त्रियाँ और बच्चे बाकी रह गये।

117

(दृश्य)

बहुत छान -बीन के बाद जान एडम्स को एक बक्से में बाउंटी की बाईबिल मिली। उसने उसे पढ़ना शुरु किया और पढ़ने के बाद उसके जीवन मे एकं अनोखा परिवर्तन आया।

उसने यह अनुभव किया कि उस पर उन बच्चों को एक उज्जवल भविष्य प्रदान करने की भारी जिम्मेदारी आ गई है। उसने उनको शिक्षित करना आरम्भ किया और बताया कि कैसे पढ़ना, लिखना और रहना है।

उस द्वीप की सम्पूर्ण जनसंख्या के अनोखे परिवर्तन ने पहले वहां से आने जाने वाले जहाजों का ध्यान और फिर ब्रिटिश सरकार और सम्पूर्ण विश्व का ध्यान आर्कषित किया।

५ - प्राचीन लिपियों का रहस्य

118

मित्र, बाइबिल आपके जीवन को भी बदल सकती है। जब हम बाइबिल को पढ़ते है, तब पवित्र आत्मा हमें उसी प्रकार प्रेरणा देता है जिस प्रकार सदियों पहले बाइबिल के लेखकों को परमेश्वर का वचन लिखने की प्रेरणा उसने दी थी। जब हम इसका अध्ययन करते हैं, तो हमारा जीवन बदल जाता है।

परमेश्वर के वचन के पास एक खुले मस्तिष्क और सरल विश्वास के साथ आइए और कहिए "हे प्रभु, मुझे अपनी सच्चाई दिखा, और मैं उसका अनुसरण करूंगा। हे प्रभु, मेरे जीवन के लिए आवश्यक परिवर्तनों के बारे में मुझे बता"।

"हे प्रभु, मैं तुझे एक प्रेमी, क्षमा करने वाले तथा जीवन को बदलने वाले उद्धारकर्ता के रुप में तेरे वचनों के लिखे पृष्ठों द्वारा तुझसे मिलने की इच्छा करता हूँ।

119

हाँ, मित्र, केवल यह पुस्तक ही नहीं परन्तु इस पुस्तक का लेखक मान्यता रखता है। जब हम उस लेखक की एक झलक देखते हैं, तो हमारा विश्वास और बढ़ जाता है।

क्योंकि उसे जानने का अर्थ उसमें प्रेम और विश्वास रखना है।